

दैनिक

FAC NEWS फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल SPEED MULTIMEDIA

फाईट अगेंस्ट क्रिमिनल



वर्ष : १० | अंक:१६० | मुंबई,मंगलवार १० नवंबर २०२६ | RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 | पृष्ठ-४ | मूल्य २/रू.

NCP फिर से एक होगी, दिल्ली से महाराष्ट्र तक सब कुछ सेट, PM मोदी का मंत्री कौन बनेगा यहां तक तय ?

एनसीपी में विलय का मामला लगभग सेट हो चुका है। अगले हफ्ते या इसी हफ्ते भी इसका औपचारिक एलान हो



सकता है। इस विलय में बीजेपी का भी किरदार बहुत अहम लग रहा है। क्योंकि, बीजेपी सूत्र ने यहां तक बताया है कि इस विलय से महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस और दिल्ली में नरेंद्र मोदी की सरकार तक में किस तरह की बदलाव होने की संभावना है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में टूट के लगभग साढ़े तीन साल बाद विलय का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। एनसीपी के संस्थापक शरद पवार की उम्र और स्वास्थ्य ने इस विलय को और भी सुलभ और वक्त की जरूरत बना दिया है। दिल्ली में बीजेपी के एक सूत्र ने इस विलय को लेकर चल रही अंदर की बातों के बारे में बहुत ही बड़ी जानकारियां दी हैं।

यमन से सुरक्षित निकाले गए 19 भारतीय नाविक, भारत के लिए रवाना



यमन के होदेइदाह और राजधानी सना में पिछले दो हफ्तों से फंसे 19 भारतीय नाविकों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया है. यमन स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को इस सफल बचाव अभियान की पुष्टि करते हुए बताया कि सभी नाविक पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनकी भारत वापसी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

विधायक अनंत बाला नर के नेतृत्व में जोगेश्वरी में विकास कार्य जोरो पर



माननीय सांसद श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी के सांसद कोष और माननीय विधायक श्री अनंत (बाला) नार के प्रयासों से रोड के प्रवासी आश्रय क्षेत्र में निर्मित सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सावंत, श्रीमती सुगंधा शेट्टी, स्थानीय पार्षद श्रीमती लोना रावत, विधानसभा समन्वयक श्री रविंद्र साल्वी, उपमंडल प्रमुख श्री दिलीप सतम, शाखा प्रमुख श्री प्रदीप गांधी, एम शाखा की संगिता श्रीमती सुचित्रा चव्हाण, एम शाखा समन्वयक श्रीमती साक्षी पदावे, कार्यालय प्रमुख श्री अविनाश रासम और अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। यह सुविधा यात्रियों और पैदल यात्रियों को बहुत राहत प्रदान करेगी, और हम नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे।

दिवाली की रात महाराष्ट्र में आग का तांडव, कई शहरों में अग्निकांड; धाराशिव में छह की मौत।

येडशी में करंडे परिवार पर टूटा कहर, चीख-पुकार के बीच बचाव की कोशिशें नाकाम; ठाणे में 50 लोगों को बचाया, पुणे में 94 दमकल कॉल, मुंबई से नागपुर तक आग की घटनाओं से मचा हड़कंप









सईद शेख

मुंबई। दिवाली और लक्ष्मी पूजन की खुशियां महाराष्ट्र के कई शहरों में आग की घटनाओं के बीच मातम में बदल गईं। 8 नवंबर की रात से 9 नवंबर की सुबह तक मुंबई, ठाणे, पुणे, पिंपरी-चिंचवड़, नागपुर, नवी मुंबई, धाराशिव, चंद्रपुर, अहिल्यानगर और नाशिक समेत कई जिलों में आग लगने की घटनाएं सामने आईं। कहीं घर और दुकानें आग की चपेट में आए तो कहीं वाहनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। हालांकि, इन सभी घटनाओं में सबसे दर्दनाक हादसा धाराशिव जिले के येडशी गांव में हुआ, जहां आग ने एक ही परिवार के छह सदस्यों की जिंदगी छीन ली। येडशी गांव में गोविंद करंडे का 'करंडे किराणा स्टोर्स एंड गिफ्टवेयर' नाम से प्रतिष्ठान था। किराना दुकान के साथ उनका तेल घानी का व्यवसाय भी था। दुकान के ऊपरी हिस्से में ही उनका परिवार रहता था। दिवाली मनाने के लिए गोविंद की दोनों बेटियां गायत्री और सिद्धी भी घर आई हुई थीं। रविवार को पूरे परिवार ने साथ में लक्ष्मी पूजन किया और खुशियां मनाईं। लेकिन रात करीब ढाई बजे अचानक मकान में आग भड़क उठी। नीचे स्थित किराना दुकान में रखे सामान ने भी आग पकड़ ली और कुछ ही मिनटों में लपटों ने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया।

चीखें सुनकर दौड़ा पूरा गांव, दीवारें तोड़ने पर भी नहीं बचीं जानें

मकान से उठती आग की लपटें देखकर वहां से गुजर रहे एक ट्रैवल्स चालक ने गांव वालों को सूचना दी। देखते ही देखते पूरा गांव घटनास्थल पर पहुंच गया। घर के भीतर फंसे परिवार के सदस्य मदद के लिए चीख रहे थे। ग्रामीणों ने बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि मुख्य दरवाजे से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था। परिवार को बचाने के लिए हथौड़ों से दीवारें तोड़ी गईं। बाद में जेसीबी बुलाकर दीवार में बड़ा छेद किया गया। इसी दौरान एक बच्चे को उसके पिता ने किसी तरह बाहर निकालकर बचाया, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल पहुंचाया गया। गांव में तत्काल अग्निशमन व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण धाराशिव, उमरगा और तुलजापुर से दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस हादसे में गोविंद करंडे, उनकी पत्नी ज्योति, दोनों बेटियां गायत्री और सिद्धी तथा गोविंद के माता-पिता की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि चार लोगों की मौत दम घुटने से, जबकि दो की झुलसने से हुई। प्राथमिक आशंका है कि दीपकों से आग लगी होगी, हालांकि वास्तविक कारणों की जांच जारी है। ग्रामीणों ने दमकल व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि दमकल गाड़ियां देरी से पहुंचीं और संसाधनों की कमी के कारण बचाव कार्य प्रभावित हुआ। इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। घटना के बाद गांव में मातम पसरा है और स्थानीय व्यापारियों ने शोक में बाजार बंद रखने का निर्णय लिया।

ठाणे से नागपुर तक आग की घटनाएं, कई शहरों में नुकसान

धाराशिव के अलावा ठाणे के रहेजा गार्डन परिसर की 17 मंजिला इमारत में रविवार रात भीषण आग लग गई। आग आठवीं मंजिल से फैलते हुए ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गई। इमारत में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए दमकल विभाग ने ड्रोन और विशेष बचाव वाहनों की मदद ली। करीब 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुणे शहर में 8 नवंबर दोपहर 3 बजे से 9 नवंबर सुबह 7 बजे तक दमकल विभाग को आग से संबंधित 94 कॉल मिले। खराड़ी, कोथरूड, कोंढवा, हडपसर, धायरी, विमान नगर, येरवडा और वानवडी सहित अनेक इलाकों में आग की घटनाएं हुईं। राहत की बात यह रही कि इन घटनाओं में किसी की मौत या घायल होने की सूचना नहीं मिली। वहीं पिंपरी-चिंचवड़ में रात करीब 11 बजे तक आग की 50 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें घरों, पेड़ों, घास, कचरे और खुले स्थानों पर लगी आग शामिल थी। मुंबई में डोंगरी के हाजी कासम चॉल, विद्याविहार के एक व्यावसायिक परिसर समेत अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की घटनाएं सामने आईं। रिपोर्ट के अनुसार, दिवाली के दो दिनों में मुंबई में आग से संबंधित कुल 89 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 28 पटाखों से जुड़ी बताई गईं। नागपुर के सावरकर नगर स्थित साई डायनामिक्स टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जलकर खाक हो गए। नागपुर दमकल विभाग को 24 घंटे में 42 कॉल मिलने की भी जानकारी सामने आई है। वहीं नवी मुंबई के तुर्भे स्थित सेक्टर-21 शॉपिंग सेंटर में भी आग लगी। चंद्रपुर के बालाजी वार्ड, अहिल्यानगर जिले के संगमनेर और नाशिक जिले के कळवण में भी अग्निकांड की घटनाएं दर्ज की गईं। कळवण में आर.के. ट्रेडर्स के किराना गोदाम में आग लगने से भारी नुकसान हुआ। इस तरह दिवाली की रात महाराष्ट्र के कम से कम नौ शहरों और जिलों से आग की घटनाएं सामने आईं। अलग-अलग स्थानों पर दमकल विभाग को लगातार मशक्कत करनी पड़ी।

रोशनी के त्योहार पर अग्नि सुरक्षा की चिंता

दिवाली पर घर-घर दीप जल रहे थे और आतिशबाजी से आसमान रोशन था, लेकिन कई परिवारों के लिए यही रात कभी न भूलने वाला दर्द दे गई। अलग-अलग शहरों में दमकलकर्मियों की तत्परता से कई लोगों को बचाया गया और बड़े हादसे टले, लेकिन येडशी में करंडे परिवार की छह मौतों ने पूरे महाराष्ट्र को झकझोर दिया। इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा किया है कि त्योहारों के दौरान अग्निशमन व्यवस्था कितनी तैयार है और ग्रामीण क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता समय पर पहुंचाने के लिए कितनी सुविधाएं उपलब्ध हैं। दिवाली की रोशनी के बीच येडशी के एक घर में ऐसा अंधेरा छाया, जिसने पूरे राज्य को शोक में डुबो दिया।

मुंबई में रॉकेट पटाखों पर 25 नवंबर तक लगा बैन, जानें BMC ने क्यों उठाया यह सख्त कदम

मुंबई में दिवाली के दौरान पटाखों से आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए मुंबई महानगरपालिका ने रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले इसी तरह के पटाखों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध 9 नवंबर से 25 नवंबर 2026 की रात 11.59 बजे तक लागू रहेगा। मुंबई शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।



बीएमसी के अनुसार, पिछले दो दिनों में मुंबई शहर और उपनगरों में पटाखों के कारण आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। विशेष रूप से रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले पटाखे आसपास की इमारतों की छत, बालकनी और खिड़कियों में गिरने से आग लगने का खतरा रहता है। मुंबई में घनी आबादी, ऊंची इमारतों, झोपड़पट्टियों और संकरी सड़कों को देखते हुए सार्वजनिक सुरक्षा के मद्देनजर यह एहतियाती कदम उठाया गया है।

इन जगहों पर भी लागू रहेगा प्रतिबंध

यह प्रतिबंध आवासीय इमारतों, इमारतों की छतों, टेरेस, बालकनी, आंगन, पार्किंग स्थलों, झोपड़पट्टी क्षेत्रों और अन्य सभी परिसरों में लागू रहेगा। यानी निर्धारित अवधि के दौरान इन स्थानों पर रॉकेट और आसमान में उड़ने वाले इसी तरह के पटाखे नहीं फोड़े जा सकेंगे।

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की विभिन्न धाराओं के तहत प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए मुंबई शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष ने यह आदेश जारी किया है।

आदेश का प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित परिमंडल के पुलिस उपायुक्तों, बीएमसी के सभी प्रशासनिक वार्ड के सहायक आयुक्तों और मुख्य अग्निशमन अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

आयुष्मान खुराना को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, AI से तैयार किया था लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर ऑडियो

फिल्म अभिनेता आयुष्मान खुराना को धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने इस मामले के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बिहार के दरभंगा जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने इंस्टाग्राम के जरिए आयुष्मान खुराना को धमकी भरे संदेश भेजे थे। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी जांच की मदद से उसका पता लगाया और उसे बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि आरोपी ने एआई की मदद से धमकी भरा ऑडियो तैयार किया था। इससे पहले तुषार कपूर को भी धमकी मिलने की खबर सामने आई थी। गिरफ्तार आरोपी का नाम वैभव मिश्रा है, जिसने एआई का इस्तेमाल कर फिल्म जगत के कई कलाकारों की नींद उड़ा दी थी। सामने आए ऑडियो में धमकी देने वाला व्यक्ति कहता है कि उसने पहले भी फोन किया था, लेकिन फोन नहीं उठाया गया। इसके बाद वह बातचीत करने और सेटलमेंट करने की बात कहता है। ऑडियो में शख्स की आवाज में धमकी साफ सुनाई देती है।



'5 हजार रुपये क्यों दे रहे हो? हम खुद भीख मांगकर सरकार को पैसे देंगे!'

किसानों के मुद्दे पर सुषमा अंधारे का सरकार पर हमला, परली में 'भीख मांगो' आंदोलन।

परली (जिला बीड): महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा किसानों को 5 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता सुषमा अंधारे ने इस सहायता राशि को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि 5 हजार रुपये की सहायता देकर सरकार महाराष्ट्र के गरीब किसानों का मजाक उड़ा रही है।

सुषमा अंधारे ने कहा कि यदि किसानों को दी जाने वाली 5 हजार रुपये की सहायता स्वीकार नहीं है, तो उसे सरकार को वापस कर देना चाहिए, ऐसा कहकर मंत्री गिरीश महाजन ने सत्ता का अहंकार दिखाया है। उन्होंने इस बयान पर भी आपत्ति जताई और कहा कि किसानों के साथ इस तरह का व्यवहार उचित नहीं है। इसी मुद्दे के विरोध में बीड जिले के परली में महाविकास आघाड़ी की ओर से सरकार के खिलाफ 'भीख मांगो' आंदोलन आयोजित किया गया। आंदोलन के दौरान 5 हजार रुपये एकत्रित कर उनका डिमांड ड्राफ्ट (डीडी) तैयार किया गया और परली के तहसीलदार के माध्यम से राज्य सरकार को भेजा गया।

आंदोलनकारियों ने सरकार से किसानों की आर्थिक स्थिति को गंभीरता से समझने और उन्हें सम्मानजनक आर्थिक सहायता देने की मांग की। इस आंदोलन के जरिए किसानों की समस्याओं और सरकारी सहायता राशि को लेकर विपक्ष ने अपना विरोध दर्ज कराया।





संपादकीय



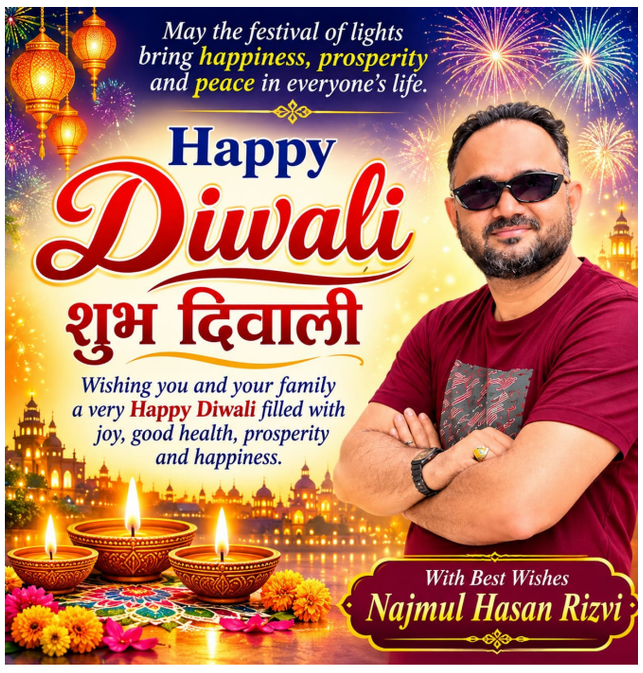
एम.एस.शेख
संपादक

भरोसे की मांग करता डिजिटल लेनदेन

भारत में तिजोरियों और बही-खातों में दर्ज होने वाले धन का आवागमन अब मोबाइल स्क्रीन पर होने लगा है। दीपावली से पहले आई खबर के मुताबिक अक्टूबर २०२६ में देश में यूपीआइ (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये २,५४७ करोड़ लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य ३१.५३ लाख करोड़ रुपये रहा। पहली बार एक दिन में औसत लेनदेन का मूल्य एक लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। ये आंकड़े बताते हैं कि धन का प्रवाह अब अधिक तेज, सस्ता और पारदर्शी हो गया है, लेकिन भारतीय परंपरा में लक्ष्मी को चंचला कहा गया है। मान्यता है कि वे वहीं टिकती हैं, जहां व्यवस्था, शुचिता और भरोसा हो।

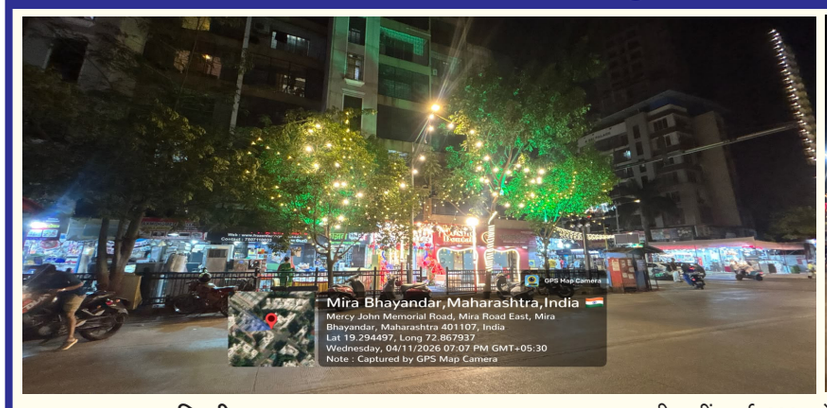
भारत के डिजिटल कायाकल्प का सबक यह है कि सरकार ने इसकी सड़क बनाई और उस पर सबको चलने का अवसर दिया। जनधन खाते, आधार और मोबाइल यानी 'जैम' त्रिमूर्ति इसकी नींव बनी। अगस्त २०१४ में शुरू हुई प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खोले गए खातों की संख्या जुलाई २०२६ तक ५८.८४ करोड़ से अधिक हो चुकी थी। इसी नींव पर यूपीआइ खड़ा हुआ। अगस्त २०१६ में पहले महीने इसके जरिये केवल ९० हजार लेनदेन हुए थे। वित्त वर्ष २०२५-२६ में यह संख्या २४ हजार करोड़ के पार पहुंच गई और लेनदेन का कुल मूल्य लगभग ३१४ लाख करोड़ रुपये रहा। वित्त मंत्रालय के अनुसार, दुनिया में होने वाले रियल-टाइम डिजिटल भुगतानों में लगभग ४९ प्रतिशत हिस्सा अकेले यूपीआइ का है, जबकि देश के कुल डिजिटल भुगतानों में इसकी हिस्सेदारी ८४ प्रतिशत है। यूएई, फ्रांस और सिंगापुर समेत ११ देशों में अब यूपीआइ के जरिये भुगतान संभव है। डिजिलाकर और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) इसी ढांचे की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं, जिसे दुनिया 'इंडिया स्टैक' के नाम से जानती है।

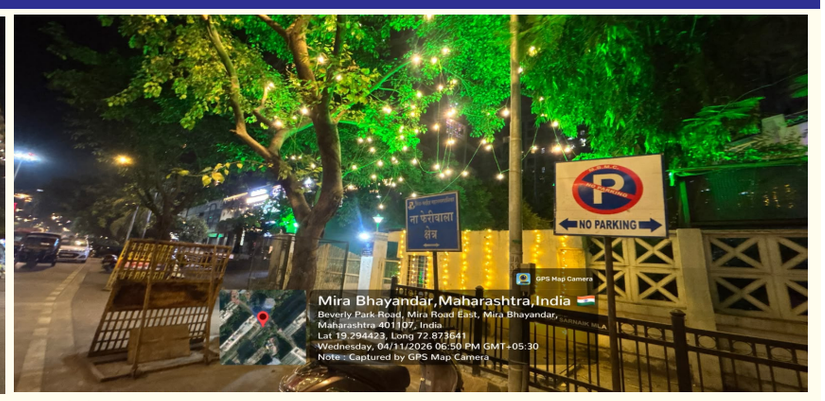
डिजिटल भुगतान अब अमीरों का शौक नहीं, आम आदमी की आदत बन चुका है। वित्त वर्ष २०२५-२६ में दुकानदारों को किए गए यूपीआइ भुगतानों में ८६ प्रतिशत लेनदेन ५०० रुपये से कम के थे। चाय, सब्जी और आटो का किराया अब क्यूआर कोड से चुकाया जा रहा है। जिस ठेले वाले के पास पहले कोई लिखित हिसाब नहीं होता था, उसके पास अब कमाई का डिजिटल रिकार्ड है। छोटा व्यापारी अब अपने लेनदेन के इतिहास के आधार पर औपचारिक कर्ज पाने का दावा कर सकता है। देश में रोजाना औसतन ८२ करोड़ से अधिक यूपीआइ लेनदेन हो रहे हैं, लेकिन उजाले के साथ साया भी बढ़ा है और सबसे गहरा साया साइबर ठगी का है। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार, वर्ष २०२५ में ठगी की २१.७७ लाख शिकायतें दर्ज हुईं और लोगों ने लगभग १९,८१३ करोड़ रुपये गंवाए। हालांकि वर्ष २०२४ में हुए २२,८४९ करोड़ रुपये के नुकसान की तुलना में यह रकम घटी है। २०२५ के कुल नुकसान का ७७ प्रतिशत फर्जी निवेश योजनाओं और आठ प्रतिशत 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़ा था। यानी समस्या तकनीक की कमजोरी से अधिक लालच, डर और जानकारी की कमी का फायदा उठाने की है। दूसरी चुनौती डिजिटल विभाजन की है। बुजुर्ग, कम पढ़े-लिखे लोग और कमजोर नेटवर्क वाले इलाकों के निवासी इस दौड़ में पीछे छूट सकते हैं। तीसरा प्रश्न डाटा की सुरक्षा और निजता का है। चौथा सवाल यूपीआइ के आर्थिक टिकाऊपन का है, क्योंकि मुफ्त सेवा उपलब्ध कराने में बैंकों और भुगतान कंपनियों को खर्च उठाना पड़ता है। इसी कारण एनपीसीआइ (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) ने दुकानों पर दो हजार रुपये से अधिक के भुगतान पर ०.४० प्रतिशत (अधिकतम ३०० रुपये) शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है, जिसे फिलहाल दीपावली के बाद तक टाल दिया गया है। संतुलन बिगड़ा तो व्यापारी फिर नकदी की ओर लौट सकते हैं।



आयुक्त के सरकारी बंगले में पेड़ों पर सजावटी लाइटिंग, पर्यावरण प्रेमी ने उठाए सवाल

हर्षद ढगे ने पूछा- आम नागरिकों पर कार्रवाई तो प्रशासनिक प्रमुख के मामले में अलग मापदंड क्यों? अनुमति, वर्क ऑर्डर और खर्च की जांच की मांग





नजमुल हसन रिजवी

मीरा-भायंदर : मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा के सरकारी आवास परिसर में पेड़ों पर सजावटी विद्युत रोशनी किए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। पर्यावरण प्रेमी हर्षद ढगे ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या पर्यावरण संरक्षण के नियम केवल आम नागरिकों के लिए हैं या प्रशासनिक अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होते हैं? उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

ढगे के मुताबिक, महानगरपालिका के उद्यान विभाग ने 21 अगस्त 2024 को सार्वजनिक नोटिस जारी कर पेड़ों पर खीलें ठोकने, पोस्टर-बैनर लगाने, विज्ञापन चिपकाने और विद्युत रोशनी करने पर आपत्ति जताई थी। प्रशासन ने संबंधित लोगों को सात दिनों के भीतर ऐसी सामग्री हटाने का निर्देश देते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी थी।

इतना ही नहीं, वर्ष 2025 में काशीमीरा स्थित एक होटल के बाहर पेड़ पर सजावटी बिजली की लड़ियां लगाने के मामले में होटल मालिक के खिलाफ काशीमीरा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। महानगरपालिका की शिकायत और निरीक्षण के बाद यह कार्रवाई हुई थी।

ढगे ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के 23 अप्रैल 2013 के आदित्य एन. प्रसाद बनाम भारत संघ एवं अन्य मामले में दिए गए आदेश का भी हवाला दिया है। इसमें पेड़ों पर विज्ञापन, साइन बोर्ड और विद्युत तार लगाने जैसी गतिविधियों को रोकने तथा पेड़ों के संरक्षण के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे।

ढगे ने कहा, 'नागरिकों को पेड़ों पर खीलें ठोकने, बिजली के तार बांधने और विज्ञापन लगाने से रोका जाता है। इसी तरह के मामले में प्रशासन ने पहले पुलिस कार्रवाई भी कराई है। फिर आयुक्त के सरकारी आवास में ऐसी रोशनी होने पर अलग मापदंड क्यों अपनाए जाएं?'

उन्होंने सवाल उठाया कि रोशनी लगाने की अनुमति किसने दी, किस विभाग ने वर्क ऑर्डर जारी किया, काम किस ठेकेदार ने किया और क्या इसके लिए सरकारी धन खर्च किया गया?

ढगे ने स्पष्ट किया कि पहले विशेषज्ञों से पेड़ों का निरीक्षण कराकर नुकसान का आकलन किया जाए और उल्लंघन साबित होने पर संबंधित अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई हो।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में आयुक्त को लिखित शिकायत और छायाचित्र भी भेजे गए हैं। उनकी मांग है कि रोशनी तत्काल हटाकर जांच रिपोर्ट और कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक किया जाए।

'हम किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन कानून आम नागरिक और वरिष्ठ अधिकारी, सभी के लिए समान होना चाहिए। कोई भी पद कानून से ऊपर नहीं है,' ढगे ने कहा।

दिवाली पर प्रदूषण का दोहरा कहर, उत्तन डंपिंग ग्राउंड में भीषण आग से जहरीले धुएं का गुबार

फटाकों के धुएं के बीच कचरे की आग ने बढ़ाई मुसीबत; कई गांवों में सांस लेना मुश्किल, स्थायी समाधान की मांग

नजमुल हसन रिजवी

मीरा-भायंदर : दिवाली के दौरान पटाखों से बढ़ते वायु और ध्वनि प्रदूषण के बीच मीरा-भायंदर महानगरपालिका के उत्तन स्थित धावगी कचरा प्रबंधन केंद्र में





शनिवार (7 नवंबर) को भीषण आग लगने से शहर के नागरिकों पर प्रदूषण का दोहरा कहर टूट पड़ा। कचरे के विशाल ढेर से उठते काले और जहरीले धुएं ने उत्तन सहित आसपास के गांवों को अपनी चपेट में ले लिया। धुएं और असहनीय दुर्गंध के कारण स्थानीय नागरिकों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन का सामना करना पड़ा। डंपिंग ग्राउंड में जमा कचरे के पहाड़ में लगी आग तेज हवा के कारण तेजी से फैल गई। सूचना मिलते ही महानगरपालिका के अग्निशमन दल ने कई दमकल गाड़ियों और पानी के टैंकरों को मौके पर तैनात कर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। हालांकि, कचरे के भीतर मीथेन जैसी ज्वलनशील गैसों की मौजूदगी की आशंका के चलते आग पर काबू पाने में मुश्किलें आईं। शनिवार देर रात तक आग पूरी तरह बुझाई नहीं जा सकी थी। धावगी में करीब 70 एकड़ सरकारी जमीन पर फैले इस कचरा प्रबंधन केंद्र में कचरे के बढ़ते पहाड़ और बार-बार आग लगने की घटनाओं ने महानगरपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राथमिक आशंका है कि कचरे के भीतर उत्पन्न ज्वलनशील गैसों के कारण आग लगी होगी, हालांकि इसकी वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं हुई है। इस बीच, शहर में सड़कों के किनारे और रिहायशी इलाकों में फटाकों की अवैध बिक्री तथा निर्धारित समय सीमा का उल्लंघन कर आतिशबाजी किए जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। शांतता क्षेत्र, वन क्षेत्र, इको-सेंसिटिव जोन और कांदळवन सहित सीआरजेड-1 क्षेत्रों में भी नियमों को ताक पर रखकर पटाखे फोड़े जाने के आरोप हैं।

पूर्व नगरसेवक एवं मछुआरा नेता बर्नड डी'मेलो ने बार-बार आग लगने की घटनाओं को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा, 'स्थानीय नागरिक वर्षों से दुर्गंध और प्रदूषण झेल रहे हैं। हर बार आग लगने पर दमकल गाड़ियां और पानी के टैंकर भेजकर आग बुझाने की औपचारिकता पूरी की जाती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता। कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण, मीथेन गैस पर नियंत्रण और लीचेट प्रबंधन सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया?' स्थानीय नागरिकों ने यह भी आरोप लगाया है कि डंपिंग ग्राउंड से निकलने वाला दूषित पानी आसपास के खेतों, बस्तियों और समुद्री जल में मिल रहा है, जिससे खेती और मछली पकड़ने के व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

नागरिकों ने बार-बार आग लगने की घटनाओं की निष्पक्ष जांच, लापरवाही या जानबूझकर आग लगाने की पुष्टि होने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस एवं स्थायी उपाय करने की मांग की है।

नई दिल्ली रेलवे यार्ड में भारी मात्रा में जब्त किया गया संदिग्ध बीफ, हैदराबाद से 'दक्षिण एक्सप्रेस' के जरिए लाया गया था

नई दिल्लीः रेलवे के माध्यम से हो रही अवैध मांस तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, सुरक्षा और रेलवे पुलिस ने नई दिल्ली रेलवे यार्ड में छापेमारी कर भारी मात्रा में संदिग्ध मांस बरामद किया है। अधिकारियों के मुताबिक, मौके से 1286 किलोग्राम से अधिक संदिग्ध बीफ जब्त किया गया है, जिसे ट्रेन के जरिए दूसरे राज्य से राष्ट्रीय राजधानी में लाया गया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रतिबंधित मांस की यह बड़ी खेप तेलंगाना के हैदराबाद से 'दक्षिण एक्सप्रेस' के पार्सल वैन या कोच में लादकर दिल्ली पहुंचाई गई थी। रेलवे यार्ड में पार्सल अनलोडिंग के दौरान जब सुरक्षा बलों और मुखबिरों को इसकी भनक लगी, तो तुरंत कार्रवाई करते हुए संदिग्ध बॉक्सों और बोरियों की तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में मांस पाया गया। प्रारंभिक जांच के बाद जब्त किए गए मांस के नमूनों को परीक्षण के लिए भेज दिया गया है ताकि इसकी आधिकारिक पुष्टि की जा सके। रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि इस खेप को हैदराबाद में किसने बुक किया था और दिल्ली में इसे किसे डिलीवर किया जाना था।

इश्क में लुका-छिपी ठीक नहीं..!



बॉलीवुड की छैयां-छैयां गर्ल मलाइका अरोड़ा का इश्क इन दिनों खूब चर्चा में है। मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में मलाइका अपने रूमर्ड बॉयाफ्रेंड हर्ष मेहता के साथ पहुंचीं, लेकिन तस्वीर खिंचवाने की बारी आई तो मैडम अकेले ही कैमरों के सामने मुस्कुराने लगीं। हर्ष साहब भी रेड कार्पेट से ऐसी दूरी बनाते दिखे, जैसे कैमरे में आ गए तो कोई बड़ा राज खुल जाएगा। मगर पार्टी से निकलते वक्त दोनों साथ नजर आए। दिलचस्प बात तो यह थी कि मलाइका के एक्स अर्जुन कपूर भी इसी पार्टी में मौजूद थे। यानी एक ही छत के नीचे पुराना इश्क और नया रोमांस, लेकिन आमना-सामना हुआ या नहीं, इसकी खबर नहीं। अब सवाल है मैडम कि जब साथ पार्टी में आना-जाना है, वेकेशन की तस्वीरें भी वायरल हो चुकी हैं, तो फिर पैपराजी के सामने अकेले-अकेले फोटो क्यों? इश्क कीजिए खुलकर, ये लुका-छिपी आखिर किसके लिए? प्यार किया तो छुपाना कैसा..?

रोहित शर्मा रचने जा रहे हैं ऐसा महा-इतिहास, जो आज तक कोई नहीं कर पाया; बनने वाले हैं दुनिया के इकलौते बल्लेबाज

भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा का नाम वनडे इतिहास के सबसे महान प्लेयर्स में आता है। वो वनडे में तीन डबल सेंचुरी लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। लेकिन अब रोहित छक्कों का भी एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने के बेहद नजदीक पहुंच गए हैं।

दरअसल, रोहित इस समय वनडे और इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं, मगर आने वाले कुछ मैच उनके करियर में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ सकते हैं।

१७ छक्के लगाते ही वनडे में बनेगा एक नया विश्व रिकॉर्ड

रोहित शर्मा के नाम इस समय वनडे क्रिकेट में ३८३ छक्के दर्ज हैं। रोहित अगर आगामी मैचों में सिर्फ १७ छक्के लगा देते हैं, तो वो वनडे इतिहास में ४०० छक्कों का आंकड़ा छूने वाले दुनिया के इकलौते बल्लेबाज बन जाएंगे।



रोहित के इस वनडे रिकॉर्ड को भविष्य में तोड़ पाना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा, क्योंकि आज के समय पर टीमें ज्यादा से ज्यादा टी२० मैच खेल रही हैं। ऐसे में वनडे फॉर्मेट में ४०० के आंकड़े तक पहुंचना किसी के लिए भी बहुत मुश्किल होगा। हिटमैन रोहित शर्मा ने पहल ही टेस्ट क्रिकेट और टी२० इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वो अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हुए ही नजर आते हैं। ऐसे में अगर वो आने वाले मैचों में २४ छक्के जड़ देते हैं, तो वो इंटरनेशनल क्रिकेट (सभी फॉर्मेट मिलाकर) में ७०० छक्के पूरे कर लेंगे। आपको बता दें कि रोहित से पहले विश्व क्रिकेट में किसी ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट में ६०० छक्कों का आंकड़ा भी पार नहीं किया है। ऐसे में रोहित के पास अब ७०० छक्कों का 'महारिकॉर्ड' अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। रोहित इस समय न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेल रहे हैं। हालांकि, पहले दो मैचों में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है और उनका बल्ला शांत रहा है। इसके बावजूद, अभी भी सीरीज में उनके पास तीन वनडे मैच बचे हुए हैं।

गोकुळ दूध संघ पर मचा बवाल, कोल्हापुर की सड़कों पर लगा जाम!

सतेज पाटील के नेतृत्व में हजारों लोगों का संघर्ष मोर्चा, सरकार के फैसले के खिलाफ सड़कों पर उतरे दूध उत्पादक; गोकुळ की सत्ता को लेकर सियासी संग्राम तेज









कोल्हापुर। कोल्हापुर जिला सहकारी दूध उत्पादक संघ यानी 'गोकुळ' की सत्ता को लेकर छिड़ी जंग अब सड़कों पर पहुंच गई है। शासननियुक्त संचालकों को मतदान का अधिकार देने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले के खिलाफ सोमवार, 9 नवंबर को कोल्हापुर में जोरदार संघर्ष मोर्चा निकाला गया। कांग्रेस नेता सतेज (बंटी) पाटील के नेतृत्व में निकले इस मोर्चे में हजारों दूध उत्पादक किसानों, नागरिकों और वकीलों ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों की भारी भीड़ के चलते कोल्हापुर की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा और कई इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित होकर जाम की स्थिति बन गई। दसरा चौक से जिलाधिकारी कार्यालय तक निकाले गए इस मोर्चे में शाहू समविचारी आघाड़ी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सरकार के फैसले के खिलाफ जमकर आवाज बुलंद की। हाथों में विरोध के संदेश और सरकार के निर्णय के खिलाफ नाराजगी लिए पहुंचे प्रदर्शनकारियों ने साफ कर दिया कि गोकुळ की सत्ता का फैसला लोकतांत्रिक तरीके से होना चाहिए, न कि सरकारी हस्तक्षेप के जरिए। आंदोलन में दूध उत्पादकों की बड़ी भागीदारी ने इस मुद्दे को केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित न रखते हुए सहकारिता क्षेत्र के अधिकारों की लड़ाई का रूप दे दिया। दरअसल, गोकुळ दूध संघ के संचालक मंडल के चुनाव में सतेज पाटील के नेतृत्व वाली समविचारी आघाड़ी ने 25 में से 13 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस जीत के बाद संघ की सत्ता का समीकरण समविचारी आघाड़ी के पक्ष में दिखाई दे रहा था। लेकिन इसी बीच महाराष्ट्र सरकार ने वटहुकूम जारी कर चार शासननियुक्त संचालकों को मतदान का अधिकार दे दिया। इस फैसले से पूरा राजनीतिक गणित बदल गया। भाजपा समर्थित गुट का संख्याबल 12 से बढ़कर 16 हो गया और गोकुळ की सत्ता पर नियंत्रण को लेकर विवाद और गहरा गया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार ने अपने राजनीतिक हितों को साधने के लिए सहकारी संस्था के लोकतांत्रिक अधिकारों में हस्तक्षेप किया है। चुनाव में निर्वाचित संचालकों के बहुमत को इस तरह प्रभावित करना सहकारिता की मूल भावना के खिलाफ है। प्रदर्शनकारियों का सवाल है कि जब दूध उत्पादकों ने अपने प्रतिनिधि चुन लिए हैं, तो फिर शासननियुक्त संचालकों को मतदान का अधिकार देकर सत्ता का समीकरण बदलने की जरूरत क्यों पड़ी? इसी मुद्दे को लेकर आंदोलनकारियों ने सरकार के निर्णय को वापस लेने की मांग उठाई। इस पूरे विवाद ने अब न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया है। 9 नवंबर को औरंगाबाद खंडपीठ में मामले की सुनवाई हुई। समविचारी आघाड़ी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पक्ष रखा, जबकि राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलीलें पेश कीं। ऐसे में अब इस मामले का कानूनी पहलू भी बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। न्यायालय में होने वाली आगे की सुनवाई पर गोकुळ के सत्ता समीकरण की दिशा निर्भर कर सकती है। गोकुळ केवल एक दूध उत्पादक संस्था नहीं, बल्कि कोल्हापुर के हजारों दूध उत्पादक परिवारों की आजीविका और सहकारिता आंदोलन की पहचान है। इसलिए इसकी सत्ता को लेकर उठा विवाद अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर सरकार का निर्णय, दूसरी ओर निर्वाचित संचालकों के अधिकार और तीसरी ओर दूध उत्पादकों की नाराजगी ने इस संघर्ष को नया राजनीतिक मोड़ दे दिया है। गोकुळ की सत्ता की लड़ाई अब बंद कमरों से निकलकर सड़कों तक पहुंच चुकी है। कोल्हापुर में उमड़ा जनसैलाब और सड़कों पर लगा जाम बता रहा है कि यह विवाद अब केवल कुर्सी की लड़ाई नहीं, बल्कि सहकारिता के अधिकार और राजनीतिक वर्चस्व की बड़ी जंग बन चुका है। आने वाले दिनों में गोकुळ की सत्ता किसके हाथ में जाएगी, इस पर पूरे महाराष्ट्र की नजरें टिकी रहेंगी।



अमरावती के हव्याप मंडल की फिल्म 'मलखंभ' को अंतरराष्ट्रीय पहचान, दुनिया की शीर्ष छह फिल्मों में चयन

अमरावती। भारतीय पारंपरिक खेलों के संरक्षण और संवर्धन के लिए देश-विदेश में उल्लेखनीय कार्य कर रहे श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल (हव्याप मंडल), अमरावती के गौरवशाली इतिहास में एक और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि जुड़ गई है। मंडल द्वारा निर्मित फिल्म 'मलखंभ' का यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़े आईसीएच एनजीओ फोरम के 'हेरिटेज अलाइव' उपक्रम



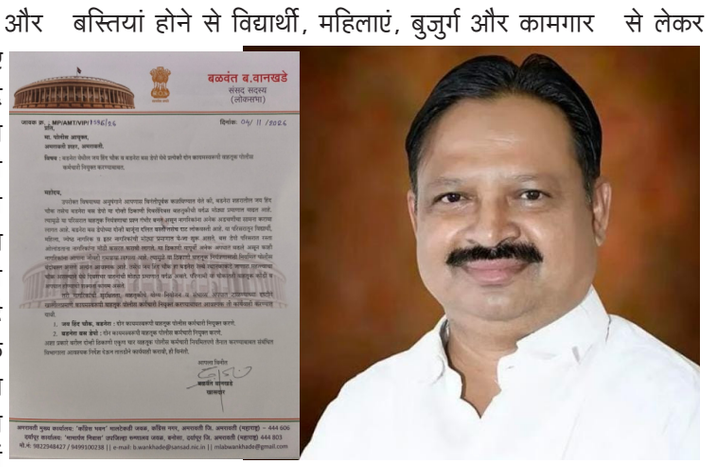
के तहत दुनिया की शीर्ष छह चयनित फिल्मों में स्थान मिला है। यह उपलब्धि न केवल मंडल बल्कि भारतीय पारंपरिक खेलों के लिए भी गौरव का विषय है। चीन के शियामेन में 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2026 तक आयोजित होने वाले अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण संबंधी अंतरसरकारी समिति के 21वें सत्र की पृष्ठभूमि में इस चयन को विशेष महत्व प्राप्त हुआ है। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर विश्वभर की पारंपरिक कलाओं, खेलों, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को फिल्मों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, इन विरासतों के संरक्षण के लिए कार्यरत संस्थाओं को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। 'हेरिटेज अलाइव' उपक्रम के अंतर्गत दुनिया भर से प्रस्तुत 70 फिल्मों में से सात सदस्यीय निर्णायक मंडल ने छह निर्धारित मानदंडों के आधार पर 14 फिल्मों का चयन किया। इनमें हव्याप मंडल की 'मलखंभ' फिल्म ने शीर्ष छह फिल्मों में जगह बनाकर भारतीय संस्कृति और पारंपरिक खेलों की विशिष्टता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। इस आयोजन में विश्व के लगभग 200 गैर सरकारी संगठनों के शामिल होने की अपेक्षा है। मंडल के अंतरराष्ट्रीय समन्वयक प्राणव चड यूनेस्को के आईसीएच एनजीओ फोरम की कार्यकारी समिति के सदस्य हैं। भारतीय पारंपरिक खेलों को वैश्विक पहचान दिलाने के उनके निरंतर प्रयासों के तहत मलखंभ की ऐतिहासिक विशेषता, शारीरिक कौशल और सांस्कृतिक महत्व को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के उद्देश्य से इस फिल्म का निर्माण किया गया। फिल्म का लेखन एवं निर्देशन प्रा. शुभम ठाकरे और प्रा. प्रणव चेनके ने किया है। इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर मंडल के प्रधान सचिव प्रभाकरराव वैद्य, कार्याध्यक्ष एड. प्रशांत देशपांडे, उपाध्यक्ष डॉ. श्रीकांत चटके, सचिव प्रा. डॉ. माधुरी चटके, कोषाध्यक्ष प्राचार्य डॉ. श्रीनिवास देशपांडे, सचिव प्रा. विकास कोलेश्वर, सचिव प्रा. रविंद्र खांडेकर सहित मंडल के पदाधिकारियों, प्राध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी। यह उपलब्धि अमरावती के लिए गौरव का क्षण है। भारतीय मिट्टी में जन्मे मलखंभ को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिली यह पहचान हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक खेलों की वैश्विक क्षमता का प्रमाण है।

बडनेरा की बिगड़ती यातायात व्यवस्था पर सांसद वानखड़े गंभीर, पुलिस आयुक्त को लिखा पत्र

जय हिंद चौक और बस स्टैंड पर दो-दो स्थायी यातायात पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की मांग

संवाददाता/ सुनील इंगोले

अमरावती। शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था और लगातार बढ़ते दुर्घटनाओं के खतरे को देखते हुए सांसद बलवंत वानखड़े ने नागरिकों की आवाज बुलंद की है। बडनेरा के दो प्रमुख और अत्यधिक व्यस्त स्थानों जय हिंद चौक तथा बस स्टैंड पर स्थायी यातायात पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की मांग को लेकर उन्होंने अमरावती पुलिस आयुक्त को पत्र भेजा है। दोनों स्थानों पर दो-दो पुलिसकर्मियों की तैनाती की मांग करते हुए सांसद ने स्पष्ट किया है कि यह केवल यातायात नियंत्रण का नहीं, बल्कि नागरिकों की जान और सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। बडनेरा में रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख व्यावसायिक गतिविधियों के चलते दिनभर वाहनों का दबाव बना रहता है। सुबह से देर रात तक सड़कों पर वाहनों की आवाजाही जारी रहती है, लेकिन इसके अनुरूप यातायात नियंत्रण की व्यवस्था नहीं होने से आम नागरिकों को परेशानियों के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी झेलना पड़ रहा है। विशेष रूप से बस स्टैंड परिसर की स्थिति चिंताजनक है। आसपास घनी आबादी और बस्तियां होने से विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग और कामगार



बड़ी संख्या में इस मार्ग से गुजरते हैं। सड़क पार करना तक उनके लिए जोखिम भरा हो गया है। इस क्षेत्र में पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। दूसरी ओर जय हिंद चौक रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाला प्रमुख मार्ग होने से यहां भी दिनभर वाहनों की भारी भीड़ रहती है। मालवाहक वाहनों से लेकर यात्रियों तक की आवाजाही के बीच यातायात नियंत्रण की कमी जाम और हादसों की आशंका बढ़ा रही है। नागरिकों की इस गंभीर समस्या को देखते हुए सांसद वानखड़े ने 4 नवंबर 2026 को पुलिस आयुक्त को आधिकारिक पत्र भेजकर जय हिंद चौक पर दो तथा बडनेरा बस स्टैंड पर दो स्थायी यातायात पुलिसकर्मियों की नियुक्ति करने की मांग की है। उन्होंने संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश देकर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया है। अब तक यातायात की समस्या से जूझ रहे बडनेरावासियों को सांसद की इस पहल से राहत की उम्मीद जगी है। हालांकि, असली परीक्षा पुलिस प्रशासन की कार्रवाई की होगी। नागरिकों की अपेक्षा है कि इस मांग को महज पत्राचार तक सीमित न रखकर दोनों स्थानों पर तत्काल स्थायी पुलिस बंदोबस्त किया जाए, ताकि यातायात सुचारु होने के साथ किसी और परिवार को सड़क हादसे का दर्द न झेलना पड़े।



दिवाली की आतिशबाजी बनी आग का आफत; दो दिन में 129 जगह भड़की आग

लक्ष्मी पूजन की रात 107 घटनाएं; झोपड़पट्टी की 5-6 झोपड़ियां, स्कूल का क्लासरूम और मंडप का सामान जलकर खाक, AQI 400 पार

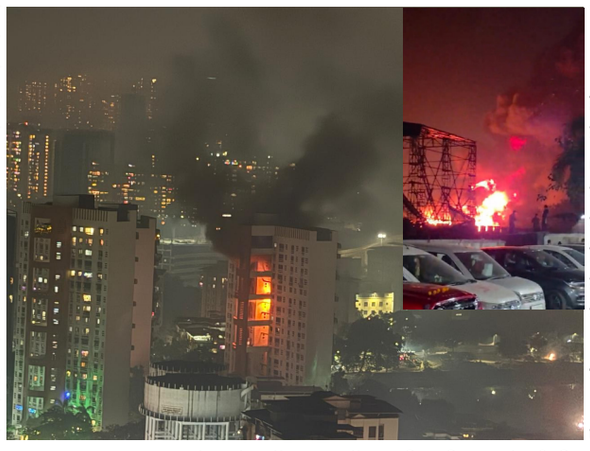
नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदरः दिवाली पर पटाखों की आतिशबाजी मीरा-भायंदर शहर के लिए आफत बन गई। बीते दो दिनों में शहर के अलग-अलग इलाकों में आग लगने की 129 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें अकेले लक्ष्मी पूजन की रात यानी रविवार को 107 जगहों पर आग लगी, जबकि शनिवार रात 22 घटनाएं सामने आई थीं। आतिशबाजी के चलते आग की घटनाओं में अचानक आई इस तेजी ने शहर की अग्निसुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस दौरान कई जगह आग ने गंभीर रूप ले लिया। मांडवीपाड़ा की झोपड़पट्टी में पांच से छह झोपड़ियां जल गईं, जबकि एस.एम. हाईस्कूल के एक क्लासरूम और प्लैनेट परिसर में मंडप के सामान को भी आग से भारी नुकसान पहुंचा।अग्निशमन विभाग के अनुसार, रविवार रात शहर के छह अग्निशमन केंद्रों की सीमा में कुल 107 आग की घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें कनकिया अग्निशमन केंद्र क्षेत्र में सर्वाधिक 30, स्व. कल्पना चावला केंद्र क्षेत्र में 27, सिल्वर पार्क में 19, पेणकरपाड़ा में 15, नवघर में 14 और उत्तन में दो घटनाएं हुईं। काशीगांव और हाटकेश सहित कई इलाकों में भी आग लगने की गंभीर घटनाएं सामने आईं। अधिकांश अन्य घटनाएं छोटी थीं, जिन पर अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर काबू पा लिया।

अग्निशमन अधिकारी प्रकाश बोराडे के मुताबिक, आग की घटनाओं की सूचना मिलते ही दमकल की टीमों ने तत्काल घटनास्थलों पर पहुंचकर आग बुझाने का काम किया। हालांकि, एक ही रात में इतनी बड़ी संख्या में घटनाएं होने से अग्निशमन विभाग की व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ गया।

उत्तन कचरा परियोजना की आग अब भी पूरी तरह काबू में नहीं

शहर में आग की घटनाओं के बीच उत्तन स्थित घनकचरा प्रबंधन परियोजना में लगी आग भी चिंता का विषय बनी हुई है। शनिवार सुबह परियोजना में भीषण आग लग गई थी। अग्निशमन विभाग की टीमें पिछले तीन दिनों से वहां बचाव और आग बुझाने का अभियान चला रही हैं। इसके बावजूद बीच-बीच में आग फिर भड़क रही है। लगातार धुएं और आग के कारण आसपास के पर्यावरण पर भी असर पड़ने की आशंका है।



प्रदूषण का स्तर 400 के पार

पटाखों की आतिशबाजी ने शहर की हवा को भी जहरीला बना दिया है। रविवार को मीरा-भायंदर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 400 के पार पहुंच गया। हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंचने से नागरिकों को सांस लेने में परेशानी होने की शिकायतें सामने आई हैं। पटाखों से निकलने वाले धुएं के साथ कचरा परियोजना की आग ने भी प्रदूषण की चिंता बढ़ा दी है।

अवैध पटाखा दुकानों पर कार्रवाई की मांग

शहर के कई इलाकों में कथित तौर पर नियमों को ताक पर रखकर पटाखों की दुकानें संचालित किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। पटाखों की बिक्री के लिए जरूरी लाइसेंस, अग्निशमन उपकरण और सुरक्षा मानकों की जांच को लेकर नागरिकों ने प्रशासन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। वहीं, रिहायशी इलाकों और सार्वजनिक स्थानों पर देर रात तक आतिशबाजी जारी रहने से ध्वनि और वायु प्रदूषण के साथ आगजनी का खतरा भी बढ़ रहा है।

दो दिनों में 129 आग की घटनाओं, घनकचरा परियोजना में जारी आग और प्रदूषण का स्तर 400 पार पहुंचने के बावजूद प्रशासन की ओर से सख्त प्रतिबंधात्मक कदम उठाने की जरूरत महसूस की जा रही है। नागरिकों ने अवैध पटाखा दुकानों पर कार्रवाई, अग्निसुरक्षा नियमों की सख्ती से पालना और संवेदनशील इलाकों में दमकल की तैनाती बढ़ाने की मांग की है। सवाल यह है कि किसी बड़ी जनहानि का इंतजार करने के बजाय प्रशासन समय रहते सुरक्षा व्यवस्था मजबूत क्यों नहीं कर रहा है?

पुणे में आतिशबाजी से 73 जगह लगी आग!

दमकल विभाग की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

मुन्ना मुजावर

पुणेः लक्ष्मी पूजा के दिन शाम 5 बजे के बाद शहर में बड़े पैमाने पर पटाखे फोड़े गए। रात 11 बजे तक आग लगने की 73 घटनाएं हुईं। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। फायरफाइटर्स ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई।



लक्ष्मी पूजा के दिन दोपहर 3 बजे से रात 11 बजे तक शहर के अलग-अलग हिस्सों में आग लगने की 73 घटनाएं हुईं। फायरफाइटर्स ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, फायर डिपार्टमेंट के मेन कंट्रोल रूम के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोंढवा के कडनगर इलाके में एक पुरानी बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर रखे सामान में रविवार दोपहर करीब 3 बजे आग लगने की घटना हुई। धायरी में अख्ख विश्व इलाके में खेत में घास में आग लगने की घटना हुई। शिवाजीनगर रोड पर शिरोले रोड इलाके में एक पेड़ पर पटाखे की चिंगारी गिरने से आग लग गई। भवानी पेठ के हरकानगर इलाके में कचरे में आग लग गई। येरवडा रीजनल ऑफिस के पास खुली जगह में आग लगने की घटना हुई। सदाशिव पेठ के नागनाथ पार इलाके में एक फ्लैट की गैलरी में पटाखों की वजह से आग लग गई। वडगांव बुद्रुक में एक पेड़ में आग लग गई। कटराज-कोंढवा रोड पर गोकुलनगर इलाके में एक घर की छत पर रखे कचरे पर चिंगारी गिरी। सतारा रोड पर सिटी प्राइड के सामने आग लगने की घटना शाम करीब 7:45 बजे हुई। फुरसुंगी में एक गोदाम में रात करीब 8 बजे आग लगने की सूचना मिलने पर जवान मौके पर पहुंचे और आग बुझाई। सिंहगढ़ रोड पर गोयल गंगा सोसायटी और कोथरूड में कृष्णा हॉस्पिटल के पास सोसायटी की गैलरी में पटाखों की वजह से आग लग गई। नाना पेठ में मीठागंज पुलिस चौकी, भवानी पेठ, शुक्रवार पेठ में शिंदे अली और गंज पेठ में मीठागंज पुलिस चौकी के पास एक घर में आग लग गई। रात करीब 9 बजे सतारा रोड पर सिटी प्राइड के सामने सोनावणे इंडस्ट्रियल एस्टेट में एक फ्लेक्स प्रिंटिंग की दुकान में आग लग गई। पाषाण के सोमेश्वरवाड़ी में एक खेत में आग लग गई। वारजे इलाके में एक घर में आग लग गई।

ऐन दिवाली पर पुणे में हत्याओं का सिलसिला! कोंढवा और येरवडा में वारदातों से शहर में सनसनी

मुन्ना मुजावर

पुणेः दिवाली के दौरान शहर के अलग-अलग इलाकों में दो लोगों पर धारदार हथियार से हमला किया गया। ये घटनाएं कोंढवा के येवालेवाड़ी और येरवडा इलाकों में हुईं। इस मामले में लक्ष्मी नगर और येवालेवाड़ी पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग केस दर्ज किए गए हैं और पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है।



शुक्रवार (6 नवंबर) को कोंढवा के बुद्रुक इलाके में साल्वे गार्डन के पास दुश्मनी में एक युवक पर धारदार हथियार से हमला किया गया। पुलिस ने इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घायल व्यक्ति की पहचान शुभम शरद शिंदे (उम्र 27, निवासी अपर इंदिरानगर, बिबवेवाड़ी) के रूप में हुई है। इस मामले में रतन विट्ठल खत्री (उम्र 24), सोमा गायकवाड़, पंकज तिवारी, आकाश जमादार को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में दस से बारह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शुभम शिंदे पानपत्ती चलाता है। उसका आरोपियों से विवाद था। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे कोंढवा में साल्वे गार्डन के पास आरोपियों ने उस पर धारदार हथियारों से हमला किया। आरोपियों के हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर नेवसे जांच कर रहे हैं।

येरवडा में मुला-मुथा नदी के किनारे चीमा घाट पर शराब पीते समय हुए झगड़े में एक युवक पर टूटी बोतल से हमला किया गया। इस घटना में युवक के कान में गंभीर चोटें आईं। इस मामले में अर्जुन दशरथ म्हस्के (उम्र 24), शादाब जहांगीर बंगी (उम्र 31, दोनों लक्ष्मीनगर, येरवडा के रहने वाले) को गिरफ्तार किया गया। उनके साथी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान अक्षय विजय राजुरे (उम्र 25, शिवनेरी नगर, कोंढवा के रहने वाले) के रूप में हुई है। राजुरे ने इस बारे में लक्ष्मीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। आरोपी और शिकायत करने वाला राजुरे दोस्त हैं। शुक्रवार शाम को वे येरवडा के चीमा घाट इलाके में शराब पी रहे थे। उस समय राजुरे ने बंगी का मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिया और उसे ट्राई किया। इस वजह से उनके बीच बहस हो गई। आरोपियों ने शराब की बोतल तोड़ दी। टूटी हुई बोतल राजुरे को लगी। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर विभूते जांच कर रहे हैं।

सैकड़ों शिकायतें, बिल्डरों से कथित नजदीकियां और मनमाने फैसले... आखिर निलंबित हुए तहसीलदार विजय लोखंडे!

अमरावती। तहसीलदार विजय लोखंडे को आखिरकार शासन ने निलंबित कर दिया है। उनके कार्यकाल में भूखंडों के विभाजन, अकृषक (एनए) अनुमति और सरकारी जमीनों से जुड़े मामलों में कथित अनियमितताओं को लेकर लगातार सवाल उठते रहे थे। नियमों को दरकिनार कर मनमाने तरीके से आदेश पारित करने और कुछ मामलों में शहर के नामी बिल्डरों व डेवलपर्स को लाभ पहुंचाने के आरोप भी उन पर लगते रहे। विशेष बात यह है कि उनके खिलाफ सैकड़ों शिकायतें सामने आने के बावजूद अब तक वे अपने पद पर बने हुए थे। आखिरकार शिकायतों और गंभीर आरोपों के आधार पर शासन ने निलंबन की कार्रवाई की है। निलंबन आदेश में लोखंडे द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र की मर्यादा का उल्लंघन करने और भूखंडों के विभाजन एवं एकत्रीकरण से जुड़े मामलों में निर्धारित प्रक्रिया को नजरअंदाज कर आदेश पारित करने का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि उन्होंने कई प्रकरणों में आवश्यक नक्शों, अकृषक अनुमति तथा नियोजन प्राधिकरण की मंजूरी को नजरअंदाज किया। नियमों के तहत त्रुटियां दूर करने का प्रावधान होने के बावजूद सीधे 7/12 तैयार करने की प्रक्रिया अपनाई गई। इतना ही नहीं, जमाबंदी आयुक्त के निर्देशों के अनुसार ई-हक्क संगणकीय प्रणाली का उपयोग अनिवार्य होने के बावजूद ऑफलाइन आवेदन स्वीकार किए गए। आदेश में यह भी गंभीर बात सामने आई है कि अनेक मामलों में नियमानुसार नोटिस जारी किए बिना और संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर दिए बगैर एकतरफा फैसले पारित किए गए। इन तमाम अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए शासन ने अगले आदेश तक विजय लोखंडे को निलंबित करने का निर्णय लिया है।



संतोष आठरे को मिली जिम्मेदारी

लोखंडे के निलंबन के बाद रिक्त हुए तहसीलदार पद पर संतोष राधाकिशन आठरे की नियुक्ति की गई है। आठरे इससे पहले संभागीय राजस्व आयुक्तालय के सामान्य प्रशासन विभाग में तहसीलदार के रूप में कार्यरत थे। सोमवार, 9 नवंबर को वे अमरावती तहसीलदार का पदभार संभालेंगे। इस प्रशासनिक फेरबदल से राजस्व विभाग में हलचल तेज हो गई है।

सैकड़ों शिकायतों पर अब होगी संभागीय जांच

विजय लोखंडे के खिलाफ सामने आई शिकायतों और निलंबन आदेश में दर्ज आरोपों को देखते हुए अब पूरे मामले की संभागीय स्तर पर जांच किए जाने के आदेश हैं। इस जांच में भूखंड विभाजन, अकृषक फेरफार, सरकारी जमीनों से जुड़े निर्णयों और नियमों को दरकिनार कर पारित किए गए आदेशों की पड़ताल होने की संभावना है। दूसरी ओर, आरोप है कि जांच की आंच से बचने और प्रभावशाली बिल्डरों के नाम सामने न आएं, इसके लिए कुछ स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में भी इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं। लोखंडे का निलंबन केवल एक अधिकारी पर हुई कार्रवाई नहीं, बल्कि राजस्व विभाग में लंबे समय से उठ रहे सवालों की गंभीरता को भी उजागर करता है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि संभागीय जांच में किन-किन मामलों की परतें खुलती हैं और कथित अनियमितताओं में शामिल अन्य लोगों तक जांच की आंच पहुंचती है या नहीं।

दीपावली की रात अमरावती में 16 जगह आगजनी, भाजी बाजार में 10 लाख का नुकसान

अमरावती। दीपावली का पर्व शहर में उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। देर रात तक आतिशबाजी और पटाखों की गूंज सुनाई देती रही। हालांकि, खुशियों के इस माहौल के बीच शहर के अलग-अलग हिस्सों में आगजनी की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी। दीपावली की रात शहर में एक-दो नहीं, बल्कि कुल 16 स्थानों पर आग लगने की घटनाएं सामने आईं। गनीमत रही कि भाजी बाजार और विलास नगर को छोड़कर अन्य स्थानों पर कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। दमकल विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया और संभावित अनहोनी को टाल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आगजनी की पहली घटना रात करीब 12 बजे जयस्तंभ चौक स्थित पेट्रोल पंप के बाजू में हुई, जहां कचरे में आग लग गई। इसकी सूचना सुशिर साहू ने अग्निशमन विभाग को दी। इसके बाद रात करीब 2 बजे विलास नगर की गली नंबर 4 में खड़े दो दोपहिया वाहनों में आग लग गई। इनमें पेशन प्रो एक्टिवा (एमएच 27 ईएच 9337) और पेशन प्रो (एमएच 27 एएल 6124) शामिल हैं। भंसीलाल चव्हाण की सूचना पर दमकल दल मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक दोनों वाहन जलकर खाक हो चुके थे। इस घटना में करीब 2 लाख 5 हजार रुपये का नुकसान हुआ। साबनपुरा में एक दुकान की छत पर पटाखों के कारण आग लगने की घटना सामने आई। अग्रवाल की सूचना पर दमकल विभाग ने कार्रवाई की। इस आग में घर का कचरा जल गया। इसी तरह जुडिया शोरूम के सामने खाली प्लॉट में सूखी घास ने आग पकड़ ली। हार्दिक व्यास ने इसकी सूचना दी। रात करीब 3 बजे दिल्ली पब्लिक स्कूल के पास कचरे में आग लगने की जानकारी डॉ. अमोल ने दी। इसके अलावा नमूना गली नंबर 4 में रात 11.45 बजे संजय नरेंद्र वासेवाय ने कचरे में आग लगने की सूचना दी। पुराना मोटर स्टैंड के पास मार्कस मस्जिद चौक में रात 10 बजे मोहम्मद अरबाज ने आग की जानकारी दी। बेलोरा मार्ग स्थित तंदूरी राइस होटल के पास भी कचरे में आग लगी। रात 9.50 बजे जवाहर गेट परकोटे के पास खुले मैदान में आग लगने की सूचना लखनलाल व्यास ने दी। जयस्तंभ चौक स्थित अकोला अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के पास, भुतेश्वर चौक पुल के नीचे, हिंदू श्मशानभूमि के लकड़ी गोदाम, साबनपुरा मस्जिद के पास तथा शेगांव नाका स्थित बनकर हॉस्पिटल के परिसर में भी आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इन स्थानों पर मुख्य रूप से कचरे और अन्य ज्वलनशील सामग्री में आग लगने की जानकारी मिली। इन सभी घटनाओं के बीच सबसे गंभीर आगजनी भाजी बाजार में सामने आई, जहां साइकिल एवं मटेरियल की दुकान में आग लगने से करीब 10 लाख रुपये का नुकसान होने की जानकारी है। वहीं विलास नगर में दो वाहनों के जलने से भी बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ। दीपावली की रात आतिशबाजी के बीच शहर में 16 स्थानों पर आग लगने की घटनाओं ने दमकल विभाग की सतर्कता और तत्परता की अहमियत एक बार फिर सामने ला दी। समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो कई स्थानों पर बड़ा हादसा हो सकता था।

पुणे मार्केट यार्ड में रत्नागिरी हापूस आम की सीजन से पहले दस्तक; 5 दर्जन की पेटी 41 हजार रुपये के रिकॉर्ड भाव पर बिकी!

मुन्ना मुजावर

पुणेः लक्ष्मी पूजा के मौके पर श्री छत्रपति शिवाजी मार्केट यार्ड के फल मार्केट में प्री-सीजन रत्नागिरी हापुस आए। इस समय हुई नीलामी में पांच दर्जन के एक बॉक्स की कीमत 41,000 रुपये थी। रत्नागिरी हापुस का सीजन आमतौर पर फरवरी के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है। हापुस की रेगुलर आवक मार्च के पहले हफ्ते के बाद शुरू होती है। हर साल, प्री-सीजन हापुस मार्केट यार्ड के फल मार्केट में आते हैं। इस साल, लक्ष्मी पूजा के मौके पर, मार्केट यार्ड के आम व्यापारी और पुणे एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी के डायरेक्टर अनिरुद्ध और बापू भोसले के कहने पर हापुस आम का एक बॉक्स बेचने के लिए भेजा गया था। इस बॉक्स को नीलामी में मार्केट यार्ड के आम व्यापारी रावसाहेब कुंजीर ने खरीदा था। आम का यह बॉक्स देवगढ़ के कटवन गांव के आम माली आशीष तारपे के बगीचे से बेचने के लिए भेजा गया था। देवगढ़ तालुका के तेल गांव के माली वीरेंद्र दत्तात्रेय कांबली ने साढ़े छह दर्जन आमों के दो डिब्बे बेचने के लिए भेजे। मार्केट यार्ड के व्यापारी युवराज काची ने दो डिब्बे 20,000 रुपये में खरीदे। रत्नागिरी के कुलेश्वर के माली तानाजी तांबे ने अपने बगीचे से 40 आम बेचने के लिए भेजे। फल व्यापारी ज़हीर पठान पटेल ने 40 आम 20,000 रुपये में खरीदे। आम व्यापारी अनिरुद्ध भोसले ने बताया, 'अच्छी क्वालिटी के आमों के एक डिब्बे की कीमत 41,000 रुपये थी। कम क्वालिटी के आमों की कीमत तुलना में कम थी।' इस मौके पर एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी के चेयरमैन प्रकाश जगताप, सेक्रेटरी दिनेश सिंह चंदेल, वाइस चेयरमैन नानासाहेब अबनावे, डायरेक्टर संतोष नांगरे, मिलिंद हरगुडे, श्री शारदा गजानन अडटे एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अमोल घुले, श्री छत्रपति शिवाजी मार्केट यार्ड अडटे एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट रोहन जाधव, राहुल कोंढारे, महेश शिर्के, सागर केदारी, एग्रीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केट कमेटी के फल और सब्जी डिपार्टमेंट के हेड नितिन चौरे मौजूद थे।





योग दिवस और स्कूली सामग्री खरीद में 'भ्रष्टाचार' की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित

टी-शर्ट से लेकर जूतों की खरीद तक में अनियमितताओं के आरोप; अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे करेंगे जांच समिति की अगुवाई

नजमुल हसन रिज़वी

मीरा-भायंदर : मीरा-भायंदर महानगरपालिका में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन के खर्च और स्कूली विद्यार्थियों के लिए सामग्री खरीद में कथित अनियमितताओं को लेकर उठे विवाद के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। महापौर डिंपल मेहता के निर्देश पर आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद शर्मा ने दोनों मामलों की जांच के लिए चार सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति को निष्पक्ष जांच कर जल्द रिपोर्ट सौंपने और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए हैं।विवाद 21 जून 2026 को मनपा के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर अप्पासाहेब धर्माधिकारी सभागृह में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के खर्च से जुड़ा है। आयोजन में टी-शर्ट, स्मृति चिह्न, चाय-नाश्ता, एलईडी स्क्रीन, वीडियोग्राफी, दीवार घड़ियों और प्रचार सामग्री की खरीद पर सवाल उठे हैं। शिकायतों में निविदा प्रक्रिया का पालन नहीं करने, संदिग्ध कोटेशन, वस्तुओं की ऊंची दरों और स्वीकृत मात्रा से कम सामग्री की आपूर्ति के आरोप लगाए गए हैं। वहीं, शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्कूल बैग, जूते और मोजे खरीदने की प्रक्रिया में भी कथित भ्रष्टाचार की शिकायत की गई है। आरोप है कि जूतों की खरीद में नवकार यूनिफॉर्म्स नामक ठेकेदार को अनुचित वित्तीय लाभ पहुंचाकर मनपा के खजाने को नुकसान पहुंचाया गया। समिति की अध्यक्षता अतिरिक्त आयुक्त डॉ. संभाजी पानपट्टे करेंगे। मुख्य लेखा परीक्षक सुधीर नाकाडी और मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी शिरीषकुमार धनवे सदस्य, जबकि शाखा अभियंता चेतन म्हात्रे सदस्य सचिव होंगे। समिति दोनों मामलों में संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों की भूमिका की जांच करेगी। अनियमितताएं साबित होने पर कानूनी कार्रवाई की सिफारिश के साथ भविष्य में ऐसी गड़बड़ियों को रोकने के उपाय भी सुझाएगी। अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट और उसके बाद होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

यह दैनिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4- ग्राऊंड फ्लोर, एन के. इंडस्ट्रियल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, नीयर प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, गेट नं. 2, गोरेगांव पूर्व, मुंबई 400 063 से छपवाकर, रूम नं. ३६१, जाकिर अली चॉल, स्कॉटर कॉलोनी, जोगेश्वरी (पूर्व),मुंबई ४०० ०६० से प्रकाशित. संपादक - मोहम्मद सईद अकबर अली शेख मो.: ९९३००२६९४२ / ९९३००२६९४३
कार्यकारी संपादक - विक्रम सेन email -fightagainstcriminal2016@gmail.com RNI. No. : MAHHIN/2016/71734 सभी पद अवैतनिक है, (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा)